NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th

aglasem.com

Class : 7th

Subject : हिंदी

Chapter : 19

Chapter Name : आश्रम का अनुमानित व्यय

Q1 हमारे यहाँ बहुत से काम लोग खुद नहीं करके किसी पेशेवर कारीगर से करवाते हैं। लेकिन गाँधी जी पेशेवर कारीगरों के उपयोग में आनेवाले औज़ार - छेनी, हथौड़े, बसूले इत्यादि क्यों खरीदना चाहते होंगें?

Answer. गाँधी जी एक आश्रम खोलने की तैयारी कर रहे थे | वे आत्मनिर्भरता में विश्वास करते थे इसलिए अपने आश्रम में भी प्रत्येक व्यक्ति को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाना चाहते होंगें | इसलिए वह पेशेवर कारीगरों के उपयोग में आनेवाले औज़ार - छेनी, हथौड़े, बसूले इत्यादि खरीदना चाहते होंगें ताकि सभी कुछ काम कर सकें |

Page : 139 , Block Name : लेखा-जोखा

Q2 गाँधी जी ने अखिल भारतीय कांग्रेस सहित कई संस्थाओं व आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनकी जीवनी या उनपर लिखी गई किताबों से उन अंशों को चुनिए जिनसे हिसाब-किताब के प्रति गाँधी जी की चुस्ती का पता चलता है?

Answer. गांधी जी बचपन से ही समय के पाबंद थे और हर चीज़ का हिसाब-किताब रखते थे।पैसा बचाने के लिए वे कई किलोमीटर पैदल यात्रा करते थे क्योंकि उनका मानना था कि धन को ज़रुरी कामों में ही खर्च करना चाहिए। आश्रम के हिसाब-किताब में भी उन्होंने सभी तरह के खर्च का अनुमान पहले से ही लगा लिया था |

कुछ किताबों के इन अंशों से हिसाब-किताब के प्रति गाँधी जी की चुस्ती का पता चलता है।

Page : 139 , Block Name : लेखा-जोखा

Q3 मान लीजिए आपको कोई बाल आश्रम खोलना है। इस बजट से प्रेरणा लेते हुए उसका अनुमानित बजट बनाइए। इस बजट में दिए गए किन किन मदों पर आप कितना खर्च करना चाहेंगे। किन नयी मदों को जोड़ना-हटाना चाहेंगे?

Answer. छात्र स्वयं करें |

Page : 139 , Block Name : लेखा-जोखा

Q4 आपको कई बार लगता होगा कि आप कई छोटे-मोटे काम (जैसे - घर की पुताई, दूध दुहना, खाट बुनना) करना चाहें तो कर सकते हैं। ऐसे कामों की सूची बनाइए, जिन्हें आप चाहकर भी नहीं सीख पाते। इसके क्या कारण रहे होंगे? उन कामों की सूची भी बनाइए, जिन्हें आप सीखकर ही छोड़ेंगे।

Answer. कई छोटे-मोटे काम जैसे - घर की पुताई, दूध दुहना, खाट बुनना आदि कार्यों को सीखना हम महत्वपूर्ण नहीं समझते इसलिए नहीं कर पाते | लेकिन कुछ ऐसे काम है जो हम सीख सकते है जैसे - चाय बनाना, सिलाई करना, बागवानी करना आदि |

Page : 139 , Block Name : लेखा-जोखा

Q5 इस अनुमानित बजट को गहराई से पढ़ने के बाद आश्रम के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में क्या-क्या अनुमान लगाए जा सकते हैं?

Answer. गांधी जी ने आश्रम में सभी खर्चों का बजट बनाया था | इसमें खेती के लिए ज़मीन, रसोई घर, बढ़ईगिरी के औज़ार भी शामिल किये थे क्योंकि वे चाहते थे कि आश्रम में रहने वाले लोग स्वयं काम करे ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

Page : 139 , Block Name : लेखा-जोखा

Q1. अनुमानित शब्द अनुमान में इत प्रत्यय जोड़कर बना है। इत प्रत्यय जोड़ने पर अनुमान का न नित में परिवर्तित हो जाता है। नीचे-इत प्रत्यय वाले कुछ और शब्द लिखे हैं। उनमें मूल शब्द पहचानिए और देखिए कि क्या परिवर्तन हो रहा है -

प्रमाणित, व्यथित, द्रवित, मुखरित, झंकृत, शिक्षित, मोहित, चर्चित।

इत प्रत्यय की भाँति इक प्रत्यय से भी शब्द बनते हैं और शब्द के पहले अक्षर में भी परिवर्तन हो जाता है, जैसे - सप्ताह + इक = साप्ताहिक। नीचे इक प्रत्यय से बनाए गए शब्द दिए गए हैं | इनमें मूल शब्द पहचानिए और देखिए कि क्या परिवर्तन हो रहा है -

मौखिक, संवैधानिक, प्राथमिक, नैतिक, पौराणिक, दैनिक

Answer. इत प्रत्यय वाले शब्द -

- प्रमाणित - प्रमाण + इत
- व्यथित - व्यथा + इत
- द्रवित - द्रव + इत
- मुखरित - मुखर + इत
- झंकृत - झंकार + इत
- शिक्षित - शिक्षा + इत
- मोहित - मोह + इत
- चर्चित - चर्चा + इत

इक प्रत्यय वाले शब्द -

- मौखिक - मुख + इक
- संवैधानिक - संविधान + इक
- प्राथमिक - प्रथम + इक
- नैतिक - नीति + इक
- पौराणिक - पुराण + इक
- दैनिक - दिन + इक

Page : 140 , Block Name : भाषा की बात

Q2. बैलगाड़ी और घोड़ागाड़ी शब्द दो शब्दों को जोड़ने से बने हैं। इसमें दूसरा शब्द प्रधान है, यानी शब्द का प्रमुख अर्थ दूसरे शब्द पर टिका है। ऐसे सामास को तत्पुरुष समास कहते हैं। ऐसे छः शब्द और सोचकर लिखिए और समझिए कि उनमें दूसरा शब्द प्रमुख क्यों है?

Answer.

धनहीन - धन से हीन

मूर्तिकार - मूर्ति को बनाने वाला

रसोईघर - रसोई के लिए घर

आकाशवाणी - आकाश से वाणी

देशनिकाला - देश से निकाला हुआ

पापमुक्त - पाप से मुक्त

Page : 140 , Block Name : भाषा की बात

aglasem.com